राजधानी •
वर्ष 18 | अंक 296 | पृष्ठ : 16+4
मूल्य : चार रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

नई दिल्ली
बुधवार, 3 फरवरी 2021

आत्मनिर्भर राजनाथ बोले-रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रह सकता भारत...13

एयरपोर्ट के मॉडल को रक्षा मंत्रालय की मंजूरी

ज्यूरिख कंपनी ने जैसा प्रस्तावित किया, वैसा ही बनेगा

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। यूपी दिवस पर नोएडा एयरपोर्ट का जैसा मॉडल दिखा था, हूबहू वैसा ही एयरपोर्ट बनेगा। एयरपोर्ट निर्माण की दिशा में एक कदम और बढ़ाते हुए रक्षा मंत्रालय ने मॉडल पर मंजूरी दे दी है। अब एयरपोर्ट अथॉरिटी व ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन से मंजूरी मिल जाए तो एयरपोर्ट का काम शुरू हो जाएगा।

25 जनवरी को नोएडा के शिल्प हाट में आयोजित यूपी दिवस पर पहली बार नोएडा एयरपोर्ट के मॉडल को सामने लाया गया था। इसे ज्यूरिख कंपनी ने तैयार कराया है। 29,500 करोड़ रुपये की लागत वाले नोएडा एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में कहां पर रनवे होगा, टर्मिनल की बिल्डिंग कैसी होगी, सुरक्षा के इंतजाम कैसे होंगे, यह सब इस मॉडल में दिखाया गया है। इस मॉडल को मंजूरी के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्रालय, एयरपोर्ट अथॉरिटी व ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन को भेजा गया था। रक्षा मंत्रालय से हरी झंडी मिल चुकी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी भी सहमत है, हालांकि कागजों में मंजूरी बाकी है।

उम्मीद है इस माह के अंत तक ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन से भी मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद नियाल व यीडा बोर्ड से मंजूरी के बाद शासन को भेजा जाएगा। यह नोएडा एयरपोर्ट की आखिरी कागजी प्रक्रिया है। इसके बाद प्रधानमंत्री इसकी नींव रख सकते हैं। नोएडा एयरपोर्ट की कागजी प्रक्रिया तय समय से पहले ही पूरी हो रही है। इस वजह से दिसंबर 2023-24 में इस एयरपोर्ट से उड़ान शुरू होना तय है।

एयरपोर्ट का मॉडल

2023-24 में इस एयरपोर्ट से उड़ान शुरू होना तय

कामकाज पर नजर रखने के लिए बनेगी समिति

नोएडा एयरपोर्ट के कामकाज पर नजर रखने के लिए जल्द ही विशेषज्ञों की एक कमेटी बनेगी। इसमें एयरपोर्ट का काम करने वाली ब्रांड कंपनियों से कर्मचारी लिए जाएंगे। उनको वेतन भी नियाल की तरफ से दिया जाएगा। इसमें नियोजन, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, जैसे कई अधिकारी व कर्मचारी शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस समिति को बनाने का अधिकार नियाल (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह को दे दिया है। नियाल इसकी प्रक्रिया जल्द शुरू करने जा रहा है। बताया जा रहा है कि नियाल को एयरपोर्ट निर्माण का अनुभव न होने के कारण यह समिति बनाना जरूरी है।

छह मेट्रो स्टेशन बनेंगे, नाम तय किए

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा से नोएडा एयरपोर्ट तक मेट्रो रूट पर 25 नहीं, बल्कि 6 स्टेशन होंगे। यह एक्सप्रेस लाइन होगी और शासन ने इस पर मंजूरी दे दी है। सभी स्टेशनों के नाम भी तय कर दिए गए हैं। अब नए सिरे से इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसकी जिम्मेदारी एनएमआरसी को दी गई है। नोएडा एयरपोर्ट के साथ ही इसे भी शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है।

परी चौक से नोएडा एयरपोर्ट टर्मिनल मेट्रो का निर्माण 2021 में ही शुरू होगा। यह दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो की तरह ही एक्सप्रेस लाइन होगी। इसलिए 36 किलोमीटर लंबे इस रूट पर प्रस्तावित 25 के बजाय 6 मेट्रो स्टेशन ही बनाने पर फैसला हुआ है। इस मेट्रो की गति सीमा 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक होगी और इस पर 4500 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। दरअसल, नोएडा एयरपोर्ट से दिसंबर 2023 या फिर जनवरी 2024 से उड़ान शुरू होनी है।

> *शासन ने 6 स्टेशन के साथ नोएडा एयरपोर्ट मेट्रो को बनाने की अनुमति दे दी है। छह से सात किलोमीटर दूरी पर एक मेट्रो स्टेशन होगा। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट एनएमआरसी तैयार करेगी। एयरपोर्ट के साथ ही इसे भी शुरू करने का लक्ष्य है।*
> **- डॉ. अरुणवीर सिंह,** सीईओ यमुना प्राधिकरण

■ ये होंगे मेट्रो स्टेशन

यीडा सिटी के सेक्टर 18, 20, 21, 22 डी व 28 के बाद नोएडा एयरपोर्ट टर्मिनल

ज्यूरिख कंपनी के साथ करार में यह शर्त भी है कि नोएडा एयरपोर्ट तक मेट्रो की सुविधा दी जाएगी।

स्टेशन कम करने से यह होंगे फायदे

- एयरपोर्ट मेट्रो रूट पर 6 स्टेशन बनने लागत करीब 4500 करोड़ होगी, जबकि पहले यह करीब 6000 करोड़ रुपये थी।
- ट्रैक काम शुरू होने के बाद करीब डेढ़ साल में तैयार हो जाएगा, जबकि पहले 3 साल में बनने का अनुमान था।
- एक्सप्रेस लाइन होने की वजह से एयरपोर्ट के यात्री नोएडा-ग्रेटर नोएडा से कम समय में पहुंच सकेंगे। एयरपोर्ट जाने वाले यात्री इसका उपयोग करेंगे।
- 25 स्टेशन बनाए जाते तो समय अधिक लगने के कारण एयरपोर्ट जाने वाले यात्री इसका उपयोग कम ही करते।
- यह रूट एलिवेटेड होगा और यमुना एक्सप्रेसवे के पैरलल ग्रीन बेल्ट से गुजरेगा।